Himala

Reared in the Himalayan Region

हिमाला चिकन

पोल्ट्री वैली सहकारी संघ लिमिटेड देहरादून द्वारा संवर्धित ब्राण्ड

राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना के माध्यम से उत्तराखण्ड राज्य में किसानों की आय में वृद्धि करने एवं क्षेत्र से पलायन रोकने के उद्देश्य से पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से पोल्ट्री वैली परियोजना की स्थापना की गयी है।

पोल्ट्री वैली परियोजना के अंतर्गत पंजीकृत पोल्ट्रवैली सहकारी संघ लिमिटेड देहरादून जो कि राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना के अन्तर्गत कुक्कुट पालन गतिविधि से जुड़ी नोडल और संबद्ध सहकारी समितियों का एक संघ है जो उत्तराखण्ड सहकारी समिति अधिनियम 2003 उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या 5, 2003 कि धारा–6 के अन्तर्गत पंजीकृत एक सहकारी संघ है। जिसका वर्तमान मुख्य कार्यालय तृतीय तल, कपूर टॉवर, राजपूर रोड, देहरादून उत्तराखण्ड में है।

वर्तमान में पोल्ट्रवैली सहकारी संघ लिमिटेड देहरादून से जुडी नोडल और संबद्ध सहकारी समितियों के सदस्यो/ किसानों द्वारा पोल्ट्री वैली परियोजना के अंतर्गत उत्पादित चिकन को हिमाला चिकन ब्राण्ड के नाम से बाजारीकरण किया जा रहा है।

मुख्य उद्देश्य–

1: उच्च गुणवत्ता वाले चिकन की लगातार आपूर्ति करना।

2: पोल्ट्री वैली परियोजना के माध्यम से किसानों के द्वारा उत्पादित चिकन मीट को उचित दर पर बाजारीकरण करना।

3: उत्तराखण्ड राज्य के समस्त पहाड़ी व मैदानी जनपदों की महिलाओं एवं युवाओं को कुक्कुट पालन के माध्यम से रोजगार के अवसर पैदा कर उनका समाजिक एवं आर्थिक विकास करना।

4: कुक्कुट पालन के माध्यम से सहकारी समितियों को नये आय के स्त्रोत प्रदान करना जिसे कि समितियों की व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि हो सकें।

5: निर्यात गुणवत्ता वाला चिकन मीट उपलब्ध कराने के लिए समर्पित एक मजबूत और टिकाऊ मूल्य श्रृखला स्थापित करना ।

6: व्यवसायिक मुर्गी पालन को केंद्र बिंदु बनाकर एकीकृत आजीविका संवर्धन का एक मॉडल स्थापित करना।

कार्य क्षेत्र –

1: पोल्ट्रीवैली सहकारी संघ लिमिटेड के द्वारा कुल 5000 कुक्कुट लाभार्थियों को राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना के अन्तर्गत चयनित नोडल एम–पैक्स के माध्यम से कुक्कुट पालन गतिविधि से जोड़ना हैं।

2: पोल्ट्रीवैली सहकारी संघ लिमिटेड देहरादून उत्तराखण्ड राज्य के समस्त 13 जनपदों के किसानों के साथ कुक्कुट पालन का कार्य करेगी।

3: प्रथम चरण में राज्य के पांच जनपदों टिहरी, पौडी, हरिद्वार, रूद्रप्रयाग व देहरादून में संचालित पोल्ट्रीवैली गतिविधि के अन्तर्गत चयनित समितियों के कुल 2000 लाभार्थियों को पोल्ट्रीवैली सहाकारी संघ के द्वारा नोडल एम–पैक्सों के माध्यम से अपनी सेवाएं प्रदान की जा रही है ।

4: द्वितीय चरण में जनपद नैनीताल, अल्मोड़ा उद्यमसिंह नगर, बागेश्वर ,एवं चम्पावत में संचालित पोल्ट्रीवैली गतिविधि के अन्तर्गत चयनित समितियों के कुल 2000 लाभार्थियों को पोल्ट्रीवैली सहकारी संघ अपनी सेवाएं प्रदान करेगा।

5: तृतीय चरण में जनपद उत्तरकाशी, चमोली, एवं पिथौरागढ में संचालित पोल्ट्रीवैली गतिविधि के अन्तर्गत चयनित समितियों के कुल 1000 लाभार्थियों को पोल्ट्रीवैली सहकारी संघ अपनी सेवाएं प्रदान करेगा।

उत्पादन गुणवत्ता मानक –

हिमाला चिकन ब्राण्ड के अंतर्गत पोल्ट्रीवैली सहकारी संघ परिचालन में एक सावधानीपूर्वक मानक संचालन प्रकिया (एसओपी) का पालन करते हैं और क्रॉयलर की निम्नलिखित विशेषतायें के साथ पेश करते हैं।

आयु:

- क्रॉयलर (Kuroiler): 8 से 12 सप्ताह के बीच परिपक्व अपने अद्वितीय युवा मांस प्रकार के लिए जाना जाता है।

वजन :

- क्रॉयलर (Kuroiler): 2.2 से 2.5 किलोग्राम भारी, स्वादिष्ट व्यंजनों के लिए आदर्श।

चिकन पालन–पोषण के दौरान :

- पोल्ट्री वैली परियोजना के अंतर्गत जीवित सभी पक्षियों को समय–समय पर पशुपालन विभाग के द्वारा पशुचिकित्सा सेवा उपलब्ध कराई जाती है जिससे कि उनमे किसी भी प्रकार की बीमारी या अन्य इंफेक्शन होने कि संम्भावनाये नहीं रहती है।
- किसानों से प्राप्त केवल स्वस्थ व अच्छी तरह से परीक्षित मुर्गियां ही हमारे कड़े मानकों के साथ बाजारीकरण हेतु उपलब्ध किये जाते हैं।
- क्रॉयलर प्रजाति अपनी अनूठी आनुवांशिक विशेषताओं के कारण रोगों के प्रति प्रतिरोधी होती है।
- हम अपने सम्मानित ग्राहकों को उच्चतम गुणवत्ता वाले मुर्गियां उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता में अटल हैं।
- यह SOP गारंटी देता है कि हम उच्चतम गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए पोल्ट्री विकल्पों की एक विविध श्रृंखला प्रदान करते हैं ।

• किसानों को प्रदान की जाने वाली प्रमुख सुविधाएं –

1: पोल्ट्री यूनिट स्थापना व परियोजना की पूर्ण अविधि तक तकनीकी मार्गदर्शन ।

2: पोल्ट्री यूनिट स्थापित हेतु उपलब्धता अनुसार ऋण व अनुदान की सुविधा ।

3: परियोजना के अंतर्गत पशुचिकित्सा सेवा उपलब्ध करना ।

4: तैयार मुर्गी के बाजारीकरण हेतु हिमाला चिकन ब्राण्ड के नाम से सुनिश्चित बाजारीकरण की ब्यवस्था करना।

5: पशुपालन विभाग से समय–समय पर प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास की सुविधा।

6: अन्य योजनाओ के साथ अभिसरण सुविधा जिससे उनकी लागत का बोझ काम किया जा सके ।

किसान के स्तर पर क्रॉयलर उत्पादन लागत–

0–21 दिन के चूजा उत्पादन की लागत (1000 Chicks)

क्र.सं	वस्तु विवरण	मात्रा	दर	कुल
1.	फीड आवश्यकता	420kg	45.00/kg	18900.00
2.	इलेक्ट्रिक ब्रूडर	2	4000.00	8000.00
3.	चिक ड्रिंकर	20	120.00	2400.00
4.	चिक फीडर	50	140.00	7000.00
5.	अन्य उपकरण	—	5.00/chick	5000.00
6.	विविध दवा/चावल की भूसी, बिजली का सामान	—	10.00/chick	10000.00
			कुल	51300.00
	प्रति चूजा लागत		51300/1000	51.30

21–90 दिन के chicks उत्पादन की लागत (250 Birds)

क्र.सं	वस्तु विवरण	मात्रा	दर	कुल
1.	फीड आवश्यकता	1000kg	40.00/kg	40000.00
2.	चिक ड्रिंकर	8	170.00	1360.00
3.	चिक फीडर	12	250.00	3000.00
4.	विविध दवा/चावल की भूसी, बिजली का सामान	—	20.00/Bird	5000.00
			कुल	49360.00
	प्रति चूजा लागत		49360/250	198.00

एम पेक्स में वाई वेक (To hold 2-3 days) for 250 birds

प्रति पक्षी फीड लागत कुल 3 दिवस हेतु		Rs. 8.00
250 पक्षीयों की फीड लागत कुल 3 दिवस हेतु	250*8	Rs. 2000.00

किसान के स्तर पर प्रत्येक पक्षी की कुल औसत उत्पादन लागत केवल 257.30 रुपये है।

(उक्त सूचना पशुपालन विभाग, उत्तराखंड के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ो के आधार पर प्रस्तुत है।)

–कार्यालय–

पोल्ट्री वैली सहकारी संघ लि० देहरादून

तृतीय तल, कपूर टॉवर, राजपुर रोड, देहरादून . - Mob. 9927270351